>

Title: Regarding payment of wages under MGNREGA in Andaman and Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): सभापति महोदय, अंडमान-निकोबार में महात्मा गांधी नरेगा स्कीम की मजदूरी पर झगड़ा शुरू हो गया है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 1 अक्टूबर 2010 से मिनीमम मजदूरी 156 रूपए से बढ़ाकर 190 रूपए कर दी गई थी, साथ में वैरीएबल डीए, जो दिल्ली सरकार और अन्य राज्यों में दिया गया था। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में जो लोग प्राइवेट सैक्टर में काम करते हैं या खेत, रोड़ और सिविल काम करते हैं, कोई भी काम करते हैं। सभी के लिए एक ही वेजीज़ है, 190 रूपए प्रति दिन। 1 अक्टूबर, 2010 से साथ में वेरिएबल डीए साल मे दो बार। यही पेमेंट किसान के खेत में काम करने वाले मजदूर और अन्य मजदूर को मिलता है। इसी मुताबिक अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर और जनवरी में सौ दिन काम करने वाले को 190 रूपए प्रति दिन के हिसाब से मजदूरी दी गई। लेकिन अचानक भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने उस मजदूरी को रिवाइज़ करके 170 रूपए कर दिया। पहले हमें 190 रूपए मिलता था, लेकिन बाद में घटाकर 170 रूपए कर दिया, मतलब 20 रूपए प्रति दिन कम कर दी। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह भारत के आखिरी हिस्से में स्थित है और महात्मा गांधी जी बोलते थे कि जो दूर खड़ा है, उसे देखो, चिंतन करके मजदूरी दो। भारत सरकार ने मिनिमम वेजिज़ रिवाइज़ कर दी और इस रिवीज़न में अंडमान-निकोबार को नज़रअंदाज़ कर दिया गया। असम में मिनिमम वेजिज़ 87 रूपए थी और उसे बढ़ाकर 130 कर दिया गया, कुल बढ़ोतरी 43 रूपए की हुई। पश्चिम बंगाल में 96 से बढ़ाकर 130 रूपए कर दिया गया, बढ़ोतरी हुई 24 रूपए। अरूणाचल में 80 रूपए से बढ़ाकर 118 रूपए कर दिया गया, बढ़ोतरी 38 रुपए बढ़े और हमारे केवल 14 रुपए बढ़े। पहले 190 रुपए मिलते थे, लेकिन अब घटाकर 170 रुपए कर दिए गए हैं।

मैं मांग करता हूं कि अंडमान में सरकार जो मिनिमम वेज दे रही है, सबको बराबर 190 रुपए दिए जाएं। सौ दिन रोजगार देने की बात कही जा रही है। अंडमान में किसी को दस दिन, किसी को बारह दिन और किसी को आज तक काम मिला ही नहीं है। काम नहीं मिलता है, तो सरकार ने जो वायदा किया था, उन्हें कम से कम पेमेंट तो मिलनी ही चाहिए। उसके बाद जो जेई, एई, ग्राम सेवक या सेविका काम करा रहे हैं, उनके पास न व्हीकल्स है, न टीए है, न डीए है, काम हाई स्कील्स जॉब है और तनख्वाह मामूली है। उनकी तनख्वाह बढ़ाई जाए और जीने लायक तनख्वाह दी जाए। वे तभी सही ढंग से काम कर सकेंगे।

महोदय, महात्मा गांधी योजना में हमारी आखिरी मांग है कि अंडमान में फारेस्ट एनक्रोचमेंट में जो लोग रहते हैं, उनके लिए भी मनरेगा स्कीम शुरू की जाए। सरकार तुंत अंडमान को ध्यान में रखते हुए जो मिनिमम वेजिज एक्ट बनाया है, उसे पूरी तरह से लागू किया जाए, मतलब कम से कम 190 रूपए प्रति दिन दिया जाए।